सत्ता (प्राधिकार) के तत्व एवं विशेषताएँ
(Main Elements and Features of Authority)

सत्ता के तत्व तथा विशेषताएँ निम्नांकित है—

1. सत्ता सदैव औपचारिक शक्ति नहीं है (Authority is not always a Formal Power)— कुछ विद्वानों का यह मत है कि सत्ता सदैव औपचारिक होती है, जबकि यह सत्य नहीं है क्योंकि सत्ता में औपचारिक शक्ति के गुणों का अभाव भी हो सकता है। सी. जे. फ्रेडरिक का कथन है कि "सत्ता शक्ति की एक ऐसा गुण होता है नहीं है वरन एक ऐसा तत्व है जो शक्ति के साथ होता है। सत्ता व्यक्तियों एवं वस्तुओं में एक ऐसा गुण होता है जो उनकी शक्ति में वृद्धि करता है। यह ऐसा गुण है जो शक्ति उत्पन्न करता है किन्तु यह स्वयं शक्ति नहीं है।"

इसका आशय यह है कि किसी व्यक्ति की सत्ता को बिना शक्ति के स्वीकार किया जा सकता है कि किसी व्यक्ति की सत्ता व्यक्ति बहुत लम्बे समय तक एक विषय को बिना रिटायर हो जाए तो वह शक्ति रहित होने के बाद भी अपने ज्ञान के क्षेत्र में एक सत्ता होगा। अतः शक्ति बिना सत्ता के भी हो सकती है और सत्ता बिना शक्ति के भी सम्भव है।

2. सत्ता विवेक पर आधारित होती है (Authority is based on reason)— फ्रेडरिक तथा सेल के मतानुसार सत्ता का मूल तत्व विवेक है। फ्रेडरिक के शब्दों में, "जिस व्यक्ति के पास सत्ता होती है मेरे विचार में, उसके पास विवेकपूर्ण व्याख्या करने की योग्यता भी होती है।" दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है कि हम केवल तर्कों के आधार पर ही किसी को सत्ता मान सकते हैं अन्यथा नहीं।

3. वैधानिक सत्ता की क्षमता को निश्चित करती है (Legitimacy determines the effectiveness of Authority)— वास्तव में वैधता किसी भी प्रकार की सत्ता का सार है। विवेकयुक्त आदेशों को ही वैधता प्राप्त होती है।

सेल के अनुसार, "B को A आदेश देता है और B यह

CLASSMATE
Date :
Page :

अनुभव करता है कि A को ऐसा करने का पूर्ण अधिकार है तो B द्वारा आदेश का पालन करना उसका उत्तरदायित्व है। इस प्रकार की शक्ति न्यायोचित है किन्तु जब B यह अनुभव करता है कि A को अपने आदेश का पालन करने के लिए B को कहने का कोई अधिकार नहीं है एवं A के आदेशों का पालन करने हेतु B का कोई उत्तरदायित्व नहीं है वरन B का उत्तरदायित्व ऐसे आदेशों का विरोध करना है तो A की ऐसी शक्ति को अवैध या अनुचित शक्ति कहा जाता है, वैध शक्ति को ही प्रायः सत्ता का नाम दिया जाता है।

4. उत्तरदायित्व (Responsibility) – सत्ता का प्रयोग उत्तरदायित्व के आधार पर किया जाता है। प्रजातांत्रिक व्यवस्थाओं में सत्ताधारी दल अपने कार्यों तथा नीतियों के लिए विधानमंडल के प्रति उत्तरदायी होता है तथा विधानमंडल जनता के प्रति उत्तरदायी होता है। सत्ता चाहे किसी भी प्रकार की क्यों न हो उत्तरदायी से सम्बद्ध होती है।

5. प्रभुत्व (Dominance) – इसका आशय यह है कि सत्ताधारी शक्ति व्यवस्था में ही रहे कार्यों, निर्णयों तथा निवेशों (Inputs और outputs) तथा संरचनाओं पर प्रभुत्व रहता है। दूसरे शब्दों में राजनीतिक संस्थाओं, कार्यों तथा संरचनाओं और उनकी क्रियाओं इत्यादि का संचालन तथा नियंत्रण सत्ता द्वारा किया जाता है।

समाप्त